भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना (बिहार) द्वारा "टिकाऊ कृषि करने की रणनीतियाँ " पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन

भूमि और जल प्रबंधन विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना (बिहार) ने भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत "टिकाऊ कृषि करने की रणनीतियाँ" शीर्षक पर एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन 29 अक्टूबर**,** 2021 को किया गया। इसका प्रमुख उद्देश्य किसानों, छात्रों, वैज्ञानिकों और अन्य हितधारकों के बीच पर्यावरण हितकारी और आर्थिक रूप से एक स्वस्थ और अधिक न्यायसंगत दुनिया बनाने के लिए टिकाऊ कृषि के विभिन्न पहलू पर जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम का प्रसारण ज़ूम के माध्यम से करते हुए किसानों, वैज्ञानिकों, छात्रों और अन्य हितकारकों के बीच टिकाऊ खेती के विषय में जागरूकता फ़ैलाने का प्रयास किया गया, जिसमें भारी संख्या में लोगों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के निदेशक डॉ. उज्जवल कुमार द्वारा कृषि की विभिन्न समस्याओं, उसके निदान और विशेषकर टिकाऊ खेती के महत्व पर चर्चा किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान भूमि एवं जल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष उपाध्याय ने भी अपने विचार व्यक्त किया और साथ ही साथ किसानों, छात्रों और अन्य हितकारकों को टिकाऊ कृषि के बढ़ावा देने हेतु प्रोत्साहित किया। चर्चा की शुरुआत में भूमि एवं जल प्रबंधन विभाग के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार सिंह ने जल एवं भूमि प्रबंधन कर टिकाऊ खेती के विधियों एवं इसके महत्व पर ऑनलाइन माध्यम से व्याख्यान दिए और बाद में भूमि एवं जल प्रबंधन विभाग के वैज्ञानिक डॉ. पवन जीत सूखे क्षेत्रों के विस्तार और टिकाऊ कृषि उत्पादन के तरीकों पर विचार व्यक्त कर श्रोताओं को लाभान्वित किये। इसमें प्रतिभागियों के प्रश्नों का उत्तर भी दिए गये। कार्यक्रम का सफल आयोजन भूमि एवं जल प्रबंधन विभाग के सभी वैज्ञानिकों कृषि अभियंता आरती कुमारी, डॉ. प्रेम कुमार सुंदरम, डॉ. कीर्ति सौरभ, डॉ. वेद प्रकाश एवं अन्य के पूर्ण सहयोग से किया गया। इस अवसर पर भूमि एवं जल प्रबंधन विभाग के वैज्ञानिक श्रीमती आरती कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन करके कार्यक्रम का समापन किया।

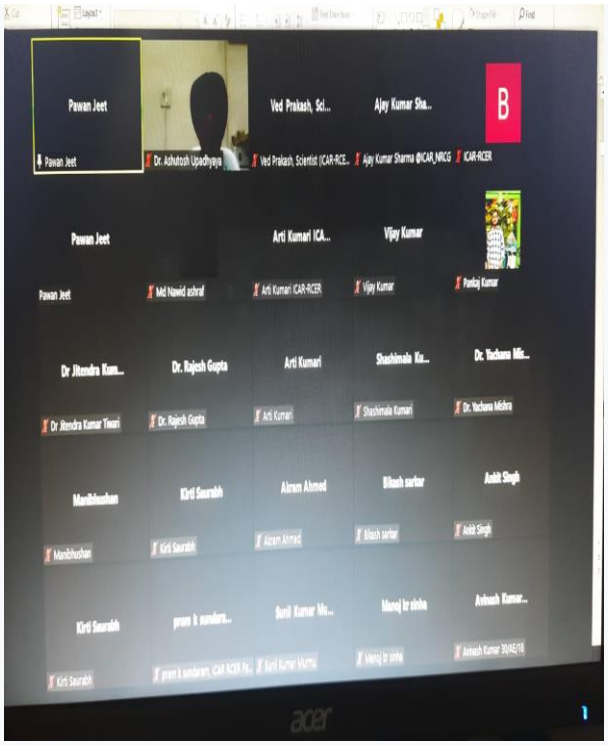

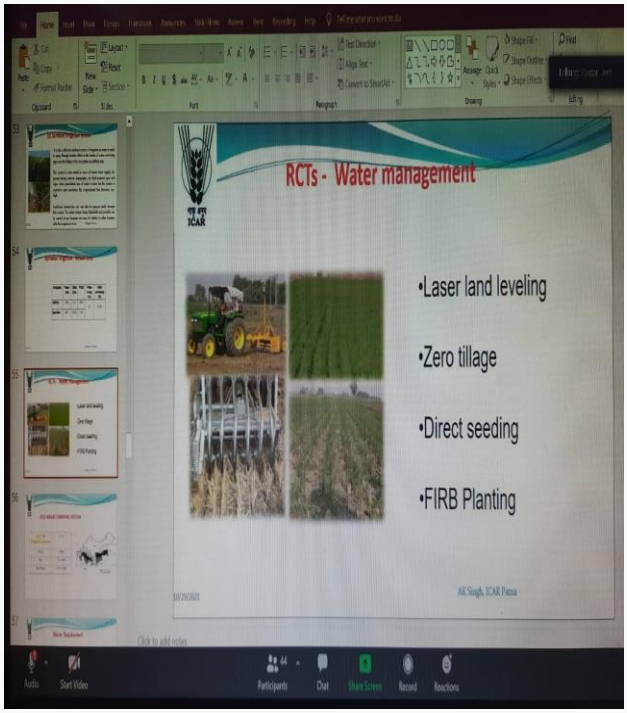

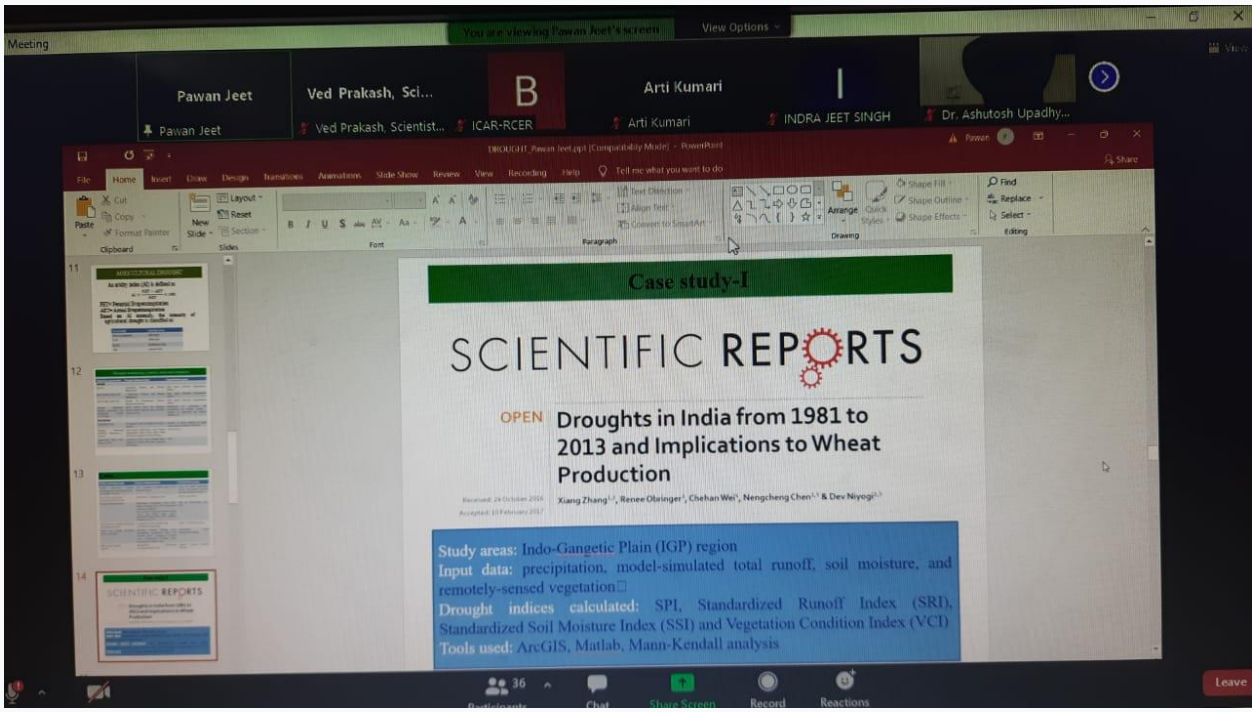

कार्यक्रम के झलकियाँ